

सादाशिव वि. (तत्.) सदाशिव-संबंधी।

सादिक वि. (अर.) 1. सच्चा 2. ठीक, दुरुस्त।

सादी¹ वि. (तद्.) सादा

सादी² स्त्री. (फ़ा.) शादी-विवाह।

सादूर पुं. (तद्.) चीता।

सादृश्य पुं. (तत्.) 1. समानता, तुल्यता, एकरूपता, बराबरी 2. प्रतिमूर्ति 3. तुलना टि. साधर्म्य के वर्णन पर आधारित अलंकारों (उपमा, रूपक, अपह्नुति, अर्थांतरन्यास आदि) को 'सादृश्यगर्भ अलंकार' कहा जाता है।

साद्यंत वि. (तत्.) आदि से अंत तक का, संपूर्ण, सारा क्रि.वि. आदि से अंत तक।

साध¹ वि. (तद्.) उत्तम, अच्छा पुं. 1. साधु, संत 2. सज्जन।

साध² स्त्री. (तद्.) तीव्र इच्छा, लालसा, कामना, अभिलाषा उदा. गहनों की साध-प्रेमचंद वि. श्रद्धालु उदा. सब सुमति साध सखाउ- तुलसी मुहा. साध साधना- अभिलाषा पूरी करना।

साधक वि. (तत्.) 1. साधना करने वाला 2. किसी कार्य में सहायता देने वाला, सहायक 3. युद्ध आदि में विजय के साधन 4. कार्य विशेष को सफल करने वाला 5. विवाह के पहले वर-पक्ष और कन्या पक्ष में बातचीत करके संबंध को तय कराने वाला पुं. तपस्या आदि में साधनशील व्यक्ति उदा. भए अकंटक साधन योगी -तुलसी।

साधकता स्त्री. (तत्.) 1. साधक होने की अवस्था या भाव 2. उपयुक्तता 3. उपयोगिता।

साधकत्व पुं. (तत्.) 1. साधकता 2. जादू या बाजीगरी 3. सिद्धि।

साधन पुं. (तत्.) 1. किसी कार्य का आरंभ करके उसे सिद्ध या पूरा करना, कार्य-सिद्धि करना 2. आज्ञा, निर्णय आदि के अनुसार किसी काम या बात को उचित और रूप देना, कार्यान्वित करना, पालन करना 3. विधिक क्षेत्रों में आदेशों, सूचनाओं आदि के अनुसार ठीक तरह से काम

पूरा या निष्पादन करना 4. कोई चीज तैयार करने का सामान, सामग्री 5. कोई ऐसी बात जिससे किसी प्रकार की क्षति, त्रुटि, दोष आदि का परिहार होता हो, उपचार, प्रतिविधि 6. कोई काम पूरा करने में सहायता देने वाली कोई चीज या सब चीजे, उपकरण 7. उपासना, साधना 8. योग साधना आदि के उपाय उदा. अव साधन उपदेशन आए-तुलसी 9. सहमत करना, राजी करना 10. किसी को अपने अनुकूल या वश में करना, वशीकरण 11. मदद, सहायता। 12. संधान 13. मृतक का अग्नि-संस्कार, दाह कर्म। 14. उपाय, तरकीब, युक्ति 15. धन-संपत्ति, दौलत 16. कोई ऐसा तत्व या वस्तु जिसके द्वारा या सहायता से काम पूरा होता हो 17. कर्मेंद्रियाँ।

साधन क्रिया स्त्री. (तत्.) 'समापिका क्रिया'।

साधनचतुष्टय पुं. (तत्.) चार साधनों का वर्ग वेदांत दर्शन के साधकों के लिए वैराग्य आदि चार अनिवार्य साधन टि. वेदांत के उक्त साधन चतुष्टय इस प्रकार हैं 1. नित्यानित्य स्तुतिनेक 2. लौकिक-पारलौकिक फलों के भोग के प्रति वैराग्य 3. शमादि षट् साधन-संपत्ति 4. मुमुक्षुत्व।

साधनता स्त्री. (तत्.) 1. साधन का धर्म या भाव, सिद्धि 2. साधन की क्रिया, साधना 3. उद्देश्य पूरा करने का माध्यम होना।

साधनहार वि. (तत्.) 1. साधने वाला, साधक 2. जिसकी सिद्धि की जा सके, साध्य।

साधना¹ स्त्री. (तत्.) 1. सिद्धि 2. आराधना, उपासना उदा. वैष्णव साधना 3. किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए विशेष त्याग और परिश्रम वाला एकाग्र प्रयत्न 4. किसी कार्य में निपुणता पाने के लिए किया जाने वाला निरंतर अभ्यास।

साधना² स.क्रि. (तत्.) 1. विशेष अभ्यास से कार्य में निपुण होना 2. किसी वस्तु को ऐसा बनाना या बनाए रखना कि वह ठीक प्रकार से अपना काम कर सके 3. संतुलित रखना 4. नियंत्रण में रखना। 5. लगातार रहना उदा. वर्षों पढ़ाई साधी,